मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : ***Three*** *Hours*

अधिकतम अंक : **250**
Maximum Marks : **250**

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ :

एतय दू **खण्ड (SECTION)** *मे विभक्त कुल* **आठ** *प्रश्न अछि ।*

अभ्यर्थी कुल **पाँच** *प्रश्नक उत्तर देथि ।*

प्रश्न संख्या **1** *तथा प्रश्न संख्या* **5** *अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसें कोनो* **तीन** *प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (SECTION) सें कमसें कम* **एक** *प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।*

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

उत्तर **मैथिली** *(देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।*

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तें अंशत: लिखित उत्तरोक गणना कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** *questions divided in* **TWO SECTIONS.**

Candidate has to attempt **FIVE** *questions in all.*

Questions no. **1** *and* **5** *are compulsory and out of the remaining, any* **THREE** *are to be attempted choosing at least* **ONE** *question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in **MAITHILI** *(Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. **काव्य-वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) :** *10×5=50*

(a) नव दूर्वादल श्यामल सुन्दर कंज-नयन रनवीर ।
वाम धनुर्धर दहिन निसित सर जलधि कोटि गम्भीर ।।
श्रीपद पादुक धर भरतानुज चामर छत्र निछोड़ि ।
शिव चतुरानन सनक सनन्दन शतमुख रहु कर जोड़ि ।। *10*

(b) जन्म कर्म गुण-प्रकृति निरखि, रुचि परखि पारखी विज्ञ ।
वर्गीकृत वर्णीक वरण जत करथि नित्य कृतविद्य ।।
जनम प्रथम गृहकुलमे पुनि गुरुकुलमे उद्गम अन्य ।
खनिज धातु मणि चढ़ि खराज पुनि मुकुटजड़ित हो धन्य ।। *10*

(c) अनिल अनलवम मलअज वीख ।
जे छल सीतल से भेल तीख ।।
चान्द सन्ताबए सविताहु जीनि ।
नहि जीवन एकमत भेल तीनि ।।
किछु उपचार न मानए आन ।
एहि बेआधि अथिक पचवान ।। *10*

(d) सुनि लक्ष्मी कहलनि बड़वेश ।
उचित विचार कयल प्राणेश ।।
लेल अयोध्या हरि अवतार ।
चारि अंशयुत राम उदार ।।
लक्ष्मी अयलीह मिथिला भूमि ।
ऋद्धि सिद्धि संग लयिलिह जूमि ।।
सभकाँ कयल सुखी आरोग्य ।
सम्प्रति भेलिह विवाहक योग्य ।। *10*

(e) सम्मिलित स्वेच्छा प्रणोदित जयति जय जनशक्ति !
हृदयमे अछि एक केवल तोहरेटा भक्ति ।।
आन देवी देवता दिश नहि नवइ अछि माथ
आइ नहितँ काल्हि दानवदलक कखह अवस्से उच्छेद
कृषक श्रमिकक जीवनोकेँ बनबिहह पुनि वेद
लैत प्राचीनक सगुण सदज्ञान
लोकहितमे लगविहह अपना युगक विज्ञान 10

Q2. (a) "चित्रा"मे प्राचीन-मध्य ओ आधुनिकक्कालीन मिथिलाकँ सामाजिक जीवनक सम्यक् वर्णन भेल अछि – विश्लेषण करू । 20

(b) "समकालीन मैथिली कविता"क आधार पर कविवर आरसी प्रसाद सिंहक काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । 15

(c) "कविवर लालदास अपन रामायणमे विस्तृत मंगलाचरणमे पराप्रकृति सीता एवं परमपुरुष रामक स्मरण कयलनि अछि" – युक्तियुक्त विवेचन करू । 15

Q3. (a) "मिथिला भाषा रामायण"क 'सुन्दरकाण्ड'मे वर्णित घटनाक्रम अपेक्षाकृत अधिक सारगर्भित आ प्रसंगानुकूल भेल अछि" – एहि कथनक समीक्षा करू । 20

(b) "कृष्णजन्म प्रबन्ध-काव्यक रचनामे मनबोधकेँ मैथिली साहित्यक इतिहासमे महत्त्वपूर्ण स्थानक अधिकारी बना देने अछि" – एहि उक्ति पर विचार करू । 15

(c) "कीचक-बध" काव्यस्वरूप ओ रचनाशैलीमे भिन्न रहितहुँ प्राच्य एवं पाश्चात्य-दुनू ठाम समान भावधाराक सम्वाहक अछि – प्रमाणित करू । 15

Q4. (a) "गोविन्ददास भजनावली"क गीत सर्वथा भक्तिमूलक प्रतीत होइत अछि ओ श्रृंगार एहिमे आवरणक काज करैत अछि" – पठित अंशक आधार पर अपन विचार व्यक्त करू । 20

(b) विद्यापतिक गीतसभमे श्रृंगारक बहुविध चित्र प्रस्तुत भेल अछि – पठित अंशक आधार पर एहि उक्तिकेँ पल्लवित करू । 15

(c) "दत्तवती" महाकाव्यमे भारतीय सामाजिक चिंतन, राष्ट्रीय चेतना ओ सांस्कृतिक गरिमाक व्यापक चित्रण भेल अछि – स्पष्ट करू । 15

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित कथ्यक अभिव्यंजनागत वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत सन्दर्भ-सहित व्याख्या करू जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य ।** *10×5=50*

(a) भाइ, हम-अहाँ ओहि नजरिये देखबाक अभ्यस्त भ' गेल छी । आइ समस्त मध्यमवर्गीय बुद्धिजीवीक इएह हाल छै । कमायवला एक गोट, खायवला दस । इएह 'पैरासिटिज्म' हमरा लोकनिक एहि दलित अवस्थाक कारण अछि । हजार कच्छें हमरासँ नीक एखन अहाँक श्रमजीवी अछि । से नै, अपने डेरामे जे दाइ काज करै अछि तकरे देखियौ, तीनू सासु-पुतोहु तीन डेराक काज धयने अछि .... तीस टाका महीना आ तीन थारी भात नित्त । *10*

(b) भेद रसगुल्ला ओ लड्डूमे छैक । रसगुल्ला सरस ओ कोमल होइछ, लड्डू शुष्क ओ कठोर । रसगुल्ला पूर्वक प्रतीक थीक लड्डू पश्चिमक । तेँ हम कहैत छियौह जे ककरो जातीय चरित्र देखबाक-बुझबाक हो त ओकर प्रधान मधुर देखी । *10*

(c) सोझाँमे ठाढ़ि स्त्री-छायाकेँ देखि क' घृणा होइत अछि । घृणा होइत अछि, क्रोध होइत अछि, सिनेह होइत अछि, दया होइत अछि, करुणा, वेदना, ग्लानि, परिताप, चिन्ता सभ किछु होइत अछि । अनिमेष दृष्टिसँ हमरा दिस, हम्मर चश्माक लाइब्रेरी फ्रेम दिस, रेशमी चद्दरि दिस, फिन-ले कम्पनीक धोआ धोती दिस आ हम्मर आँखिमे भरल आश्चर्य दिस तकैत स्त्री-छाया त' सत्ते छाया-मात्र छथि, स्त्री नहि छथि । *10*

(d) एक बेर उन्नैस बरखक अपन बेटीकेँ देखय जे वयसक बाढ़िमे भरल-उमड़ल परमान धारसन लगैक । फेर टोल पड़ोसक स्त्रीगणक आँखि दिस ताकय जकर आँखिमे व्यंग्य रहैक, उत्सुकता रहैक, निष्क्रिय दर्शकक क्रूरता रहैक । मने मन पजरि रहि जाय । ने धूआँ होइक ने धधरा । एहन दिन भेलै छँउड़ीकेँ । केहन भरल-पुरल सासुर छैक । *10*

(e) ओकरा दुनू हाथमे हथकड़ी आ' दूनू पएरमे बेड़ी जकड़ल रहैत छलैक । दूनू आँखि पर पट्टी बान्हल रहैत छलैक । दूनू कानमे बरकल सीसा ढारिकड ओकरा बन्न कए देल गेल छलैक । केवल भोजन कालमे ओकरा आँखिक पट्टी आ' एक हाथक बेड़ी खोलल जाइक । बड़े यंत्रणामे ओकर कारा जीवन बीति रहल छलइ । *10*

Q6. (a) "घरदेखिया" कथा मिथिलाक ग्रामीण समाजक वर्ग-विशेषक यथार्थसँ साक्षात्कार करबैत अछि – स्पष्ट करू । *20*

(b) "खट्टर काकाक तरंग" मे हरिमोहन झा उनटे गंगा बहा देने छथि – एहि उक्तिक आलोकमे एकर विशेषता देखाउ । *15*

(c) "पृथ्वीपुत्र" उपन्यासमे निम्नवर्गक जीवन एवं ओकर सामाजिक एवं आर्थिक संघर्षकेँ व्यापक रूपेँ व्यक्त कएल गेल अछि" – एहि उक्तिक समीक्षा करू । *15*

Q7. (a) " 'वर्णरत्नाकर'मे उत्तम काव्यक वर्णन – चमत्कार, कल्पनाक सूक्ष्मता, चित्रणक रसमयता एवं उक्तिक सामर्थ्यक प्रदर्शन अछि" – द्वितीय कल्लोलक आलोकमे एहि कथनकेँ स्पष्ट करू । *20*

(b) राजकमलक कथामे हुनक चारित्रिक वैशिष्ट्य कोनहु ने कोनहु रूपमे अवश्य भेटत – एहि कथन पर विचार करू । *15*

(c) "पाँच पत्र" कथा पति-पत्नीक राग-वृत्ति काल-चक्र द्वारा जीवनक दशा-दिशाक बोध करबैत अछि – एहि उक्तिक आलोकमे एहि कथाक मार्मिकता देखाउ । *15*

Q8. (a) " 'मफाइत चाहक जिनगी' आदर्शवादी शिक्षित बेरोजगार नवयुवकक संघर्षपूर्ण जीवन-गाथा अछि" – स्पष्ट करू । *20*

(b) लोकगाथात्मक ऐतिहासिक उपन्यास "लोरिक विजय"मे चरित-नायकक चारित्रिक विशेषताक निदर्शन भेल अछि – युक्तियुक्त पल्लवित करू । *15*

(c) मणिपद्मक "वालगोविन" कथाक मार्मिकता पर प्रकाश दिअ । *15*